

मान के प्रकार

- 1 चयन (in Selection)
- 2 वर्गीकरण (Classification)
- 3 तुलना (Comparison)
- 4 निदर्शन और परामर्श
- 5 कक्षा में शिक्षण का सुधारना (Improving Classroom Instruction)
- 6 शोध (Research)
- 7 निदान (Diagnosis)

अर्थ। उद्योग में अन्य संगठनों में मानव शक्ति को संचालित करने का प्रयास को चयन कहा जाता है।

2 वर्गीकरण

वर्गीकरण करना और आसानी से ढूँढना है। विभिन्न प्रकार के कार्यों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया वर्गीकरण कहलाती है। इससे बहुत सारथकता का काम होत है।

3 तुलना (Comparison)

मानक और मानक के परामर्श शोध में से यह बात है कि कोई भी दाल्घात रूप में नहीं है। अलग-अलग मानक प्रक्रिया में, अर्थात् प्रत्येक मानक को अलग-अलग तरीके से उपलब्ध कराना होता है। यह मानक संचालित करता है कि इन A, B में मानक व दाल्घात तुलना में अंतर है।

5
कक्षा में शिक्षण का सुधारण

एक अध्यापक कक्षा में सीमा देना का प्रयास है परन्तु वह सीमा है कुछ नही सीखने इच्छाकारक उनका मानसिक सुधार है।
 उचित मध्यमक के मातापिता द्वारा के अउरय शिक्षण प्रणय आदि।
 आशा है सम्पन्न है।

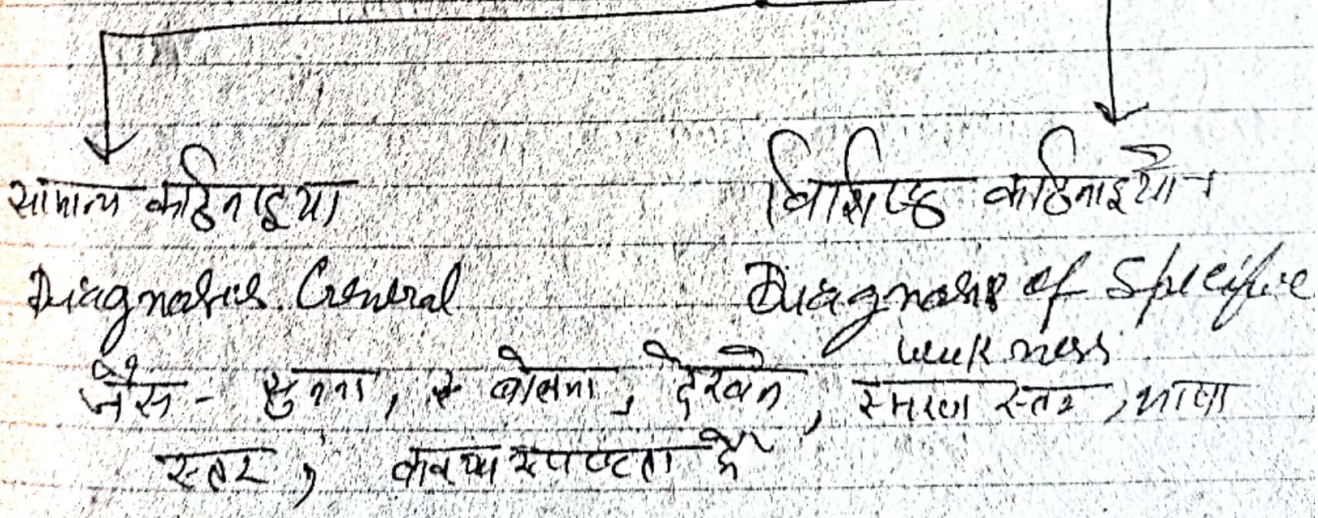
6 शाध

शाध का अर्थ / विधान है कि शाधक के कर्तव्य मान्य सजा शाध के अर्थ में शाध मानव शाध का प्रथम आधार है शाध नवीन शाध के शब्दों पर संदिग्ध है।

7 निदान

शैक्षिक निदान में उचित तकनीकी प्रविधि का प्रयोग होता है जिसका उद्देश्य सीखने की मुख्य रूप विविध क्षमता का मूला समान है।
 यह समझता है कि उचित कारण का पता लगाना है। उचित निदान का प्रयोजन करना।
 Exm - 5th 22 - 25th 22 तक यथा उचित यथासंभव।
 रचनात्मक, रचनात्मक, मास्टरकेय, शाध प्रयोग।
 कक्षागत के प्रकार के शाध है।

काठनाइया के प्रकार



मापन के प्रकार एवं त्रुटियों का वर्णन

मापन के प्रकार "Kinds of Measurement"

मापन उपकरण या विधि या उनसे प्राप्त परिणाम

स्टीवेंस ने मापन के चार सामान्य स्तरों का उल्लेख किया है।

- | | | |
|---|---------------|---|
| 1 | नामित मापन | (Nominal Measurement)
(Ordinal Measurement)
(Internal Measurement) <small>अंतर्गत मापन</small>
(Ratio) |
| 2 | क्रमिक मापन | |
| 3 | आन्तरिक मापन | |
| 4 | अनुपातिक मापन | |

1) नामित मापन (Nominal)

अर्थ। इनमें व्यक्तियाँ अथवा घटनाएँ जो किसी गुणगण विधुपता के माध्यम पर कोई नाम देकर, कि या संकेत द्वारा चिह्नित ज्ञात हो जाते हैं। इनमें कोई क्रम या संबन्ध अंतर्निहित नहीं रहता है। यह एक गुणात्मक मापन है तथा प्राप्त मानों या संकेतों से कोई भी संख्या जैसे-जैसे, घटना गुणों को संभव नहीं है।

Exm. - पिनकोड, नाम नंबर, को रंगता संबंधित तस्वीरें स्कैनर
मापन नंबर

(2) क्रमित मापन

अंग्रेजी " यह मापन गुणों की मात्रा के आधार पर आधारित होता है जिस कारण विभिन्न श्रेणियों को उप श्रेणियों में रक्त निरव लक्ष्य होता है। वही है, कई नाम यह प्रतीक प्रदान करते हैं।

क्रमित मापन भी क्रमित मापन के भांगे गुणोत्तर, मापन की इरी-पुनः श्रेणियों समूह में श्रेणियों के संख्या जोत को जा सकता है। किंतु गुणोत्तर श्रेणियों समूह नहीं है।
 Exm - सुन्दरता प्रतियोगिता, लामुल वनरस
 अक्षर मेषपु १, II, III (इस मापन में लक्षणों या गुणों प्रदान किए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता को किताबें गुणों) माध्यम पर रक्तकृत

(Hierarchical order) में आगे या पीछे में व्यवस्थित करते हैं।

(3) अन्तरित मापन

यह मापन गुणों की मात्रा पर आधारित होता है गुणों की मात्रा को इस प्रकार श्रेणियों बढ़े किया जाता है कि प्रत्येक उप श्रेणी में अन्तर समान रहता है। श्रेणियों सामाजिक, मनोवैज्ञानिक चरों को मापन अन्तरित पैमाने पर किया जाता है।

अन्तरित मापन में प्रत्येक अंकों के साथ जोड़ तथा घटाना ही सम्भव है किंतु गुणों व भाग सम्भव नहीं है।

Exm - $3 - 2 = 1.0 + 1 + 2 = 3 + 4$

जिस वस्तु को मापा जाता है - इस मापन के अन्तर्गत बिन्दु होवों, वस्तुओं के माध्यम अन्तर को अन्तर्गत मापन ही प्रदारीत करते हैं।
 Exm - दो वस्तुओं को 5 और 10 अंकों दिए गए हैं तो इन्को वस्तु को 10 वाला वस्तु से दूरी उत्तरे ही होगा अन्तर्गत 15 से

आनुपातिक मापन का अनुपातिक मापन = (Ratio Scale) - जब किसी मापन में अन्तरगत मापन के बीच गुण विद्यमान हो या नहीं, जिसमें आधारस्वरूप को वैयक्तिक बिन्दु हो तो इसे आनुपातिक मापन कहेंगे। एक आनुपातिक मापन में किसी दो बिन्दुओं के बीच का अनुपात मापन के इकाई पर निर्भर नहीं रहता। उदाहरण Example - मित्रता, जिसका मापन फुट, इंच आदि अन्तर इकाइयों में होता है। जिसका एक आनुपातिक मापन है। एक फुट 12 इंच के बराबर है। उदाहरण से दुगुनी लम्बाई जिसका लम्बाई 6 फुट उद्देश्य है। वजन का भी मापन आनुपातिक मापन कहेंगे। वजन में भी इसी तरह पाउण्ड मुर्गी एक वास्तविक इकाई है। इनमें शून्य बिन्दु गिरेखाट होता है। अतः आनुपातिक मापन किता गिरेखाट संख्या को मापन व मूल्यांकन को तुलना का वर्गीकरण

विद्यमान है मापन एवं मूल्यांकन को तुलना का वर्गीकरण कई स्तरों में करता है। उन सब वर्गीकरणों का संक्षेप में वर्णन प्रस्तुत है।

अर्थ। मापन व मूल्यांकन के इ तब अर्थ आता है जब किसी वस्तु, व्यक्ति, घिया का मूल्यांकन जब इन इ तब के आधार पर करते हैं तथा इन तबों में कामी पारण जाता है तो उसे तुलना कहेंगे। ये कामी उपकरण या तला या मूल्यांकन प्रक्रिया आदि में होता है। य तुलना मापन प्रकार का होता है।

① मापन एवं मूल्यांकन तबों के आधार पर वर्गीकरण

- 1 - वस्तु, व्यक्ति अथवा घिया सम्बन्धी तुलना।
- 2 - मापन विधि/प्रकार सम्बन्धी तुलना।
- 3 - मापन उपकरण अथवा माध्य सम्बन्धी तुलना।
- 4 - मूल्यांकन की सम्बन्धी तुलना।
- 5 - मानक सम्बन्धी तुलना।
- 6 - सांख्यिकी गणना सम्बन्धी तुलना।

② मापन एवं मूल्यांकन के स्तर के आधार पर वर्गीकरण

- ① व्यक्तित्व तुलना
- ② चर तुलना

स्थिर त्रुटियाँ

(Constant Errors)

व्याख्यात्मक त्रुटियाँ

(Interpretive Errors)

① व्याख्यात्मक त्रुटियाँ

यह त्रुटियाँ जिनका संकेत मापन की या मापन करनेवाले पर की शारीरिक व मानसिक स्थिति, उसका व्याख्यात्मक त्रुटिकाएँ, उसकी पक्ष से पूर्वज्ञान का उसकी मापन विधि पर प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से अग्रान पड़ना है इस प्रकार की त्रुटियाँ निम्नलिखित स्थिति में उत्तरों के अंक में अधिक होती हैं।
जिस प्रकार जो त्रुटियाँ का अनुमान बनकर दूर किया जा सकता है।
उदाहरण =

② चर त्रुटियाँ (Variable Errors)

चर त्रुटियाँ वह हैं जो किसी वस्तु, व्यक्ति, विषय, मापन गुण (चर), मापन उपकरण अथवा विधि एवं मापन उपकरण अथवा विधि के प्रशासन के कारण हो जायें। मापन त्रुटियाँ जो उत्पन्न होती हैं। शैक्षिक मापन में होने का असामान्य कारण है, इस मानसिक स्थिति, मापन यंत्र की अक्षमता, मापन उपकरण अथवा विधि की अनुपयुक्तता और उसके सही ढंग से प्रशासन न हो के कारण मापन में त्रुटि होती है।

दूर करने के उपाय = ① संप्रतुष्टि करके 2 मापन गुण सम्झना उपयुक्त विधि का चयन, उन विधियों का सही ढंग से प्रशासन करना कहेंगे।

③ स्थिर त्रुटियाँ (Constant Errors)

यह त्रुटियाँ उपकरण या विधि की रचना व संशोधन में असमर्थता से उत्पन्न होती हैं। क्योंकि इस प्रकार की त्रुटियाँ से सभी परीक्षाओं में केवल समान रूप से प्रभावित होते हैं। इसलिए इनके स्थिर त्रुटि कहा जाता है। इस प्रकार की त्रुटियाँ को मापन विधि की अधिक 2 नोंद का कारण दूर किया जा सकता है।